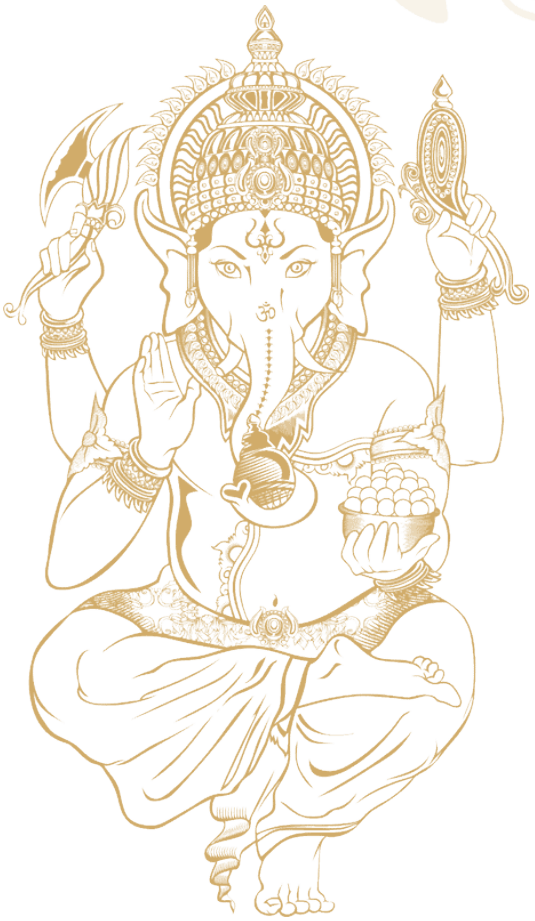

Mr.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120191001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120191001 Date: 18/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/03/1998	जन्म तिथि	09/08/2001
गुरु-शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:21:00	जन्म समय	09:01:00 घंटे
घटी 50:45:22	जन्म समय(घटी)	08:40:12 घटी
Nepal	देश	India
Kathmandu	स्थान	Bikaner
27:05:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
85:04:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
86:15:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:44	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:02:51	सूर्योदय	06:03:19
18:19:09	सूर्यास्त	19:20:13
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:30

मकर	लग्न	कन्या
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कुम्भ	राशि	मीन
शनि	राशि-स्वामी	गुरु
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	4
शुभ	योग	धृति
विष्टि	करण	कौलव
सो-सोमनाथ	जन्म नामाक्षर	ञ--
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		ग्रह	राशि	अंश
गुरु 11वर्ष 1मा 17दि		लग्न	कन्या	00:38:53
शनि	00:58:13 मक	सूर्य	कर्क	22:44:53
	12:09:00 मीन	चंद्र	मीन	16:21:13
13/05/2009	24:03:27 कुंभ	मंगल	वृश्चि	23:57:55
13/05/2028	23:12:34 मीन	बुध	कर्क	26:14:31
शनि 16/05/2012	27:36:19 मीन	गुरु	मिथु	11:52:38
बुध 24/01/2015	18:10:45 कुंभ	शुक्र	मिथु	14:56:11
केतु 04/03/2016	25:40:22 मक	शनि	वृष	19:01:54
शुक्र 05/05/2019	27:17:56 मीन	राहु व	मिथु	11:38:00
सूर्य 16/04/2020	16:35:49 सिंह व	केतु व	धनु	11:38:00
चन्द्र 15/11/2021	16:35:49 कुंभ व	हर्ष व	मक	29:14:31
मंगल 25/12/2022	17:50:34 मक	नेप व	मक	13:14:42
राहु 31/10/2025	07:55:41 मक	प्लूटो व	वृश्चि	18:43:16
गुरु 13/05/2028	14:09:50 वृश्चि व			

विंशोत्तरी
शनि 0वर्ष 5मा 10दि
केतु
19/01/2019
19/01/2026
केतु 17/06/2019
शुक्र 16/08/2020
सूर्य 22/12/2020
चन्द्र 23/07/2021
मंगल 19/12/2021
राहु 07/01/2023
गुरु 14/12/2023
शनि 22/01/2025
बुध 19/01/2026

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:50 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:30

लग्न-चलित

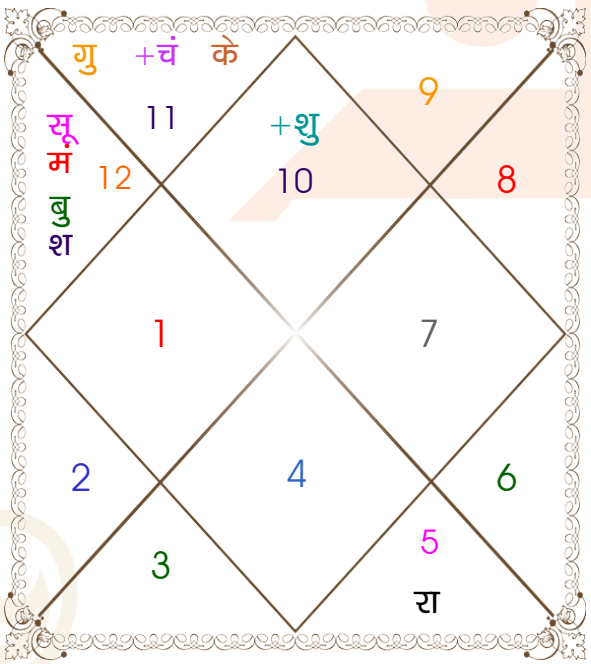

लग्न-चलित

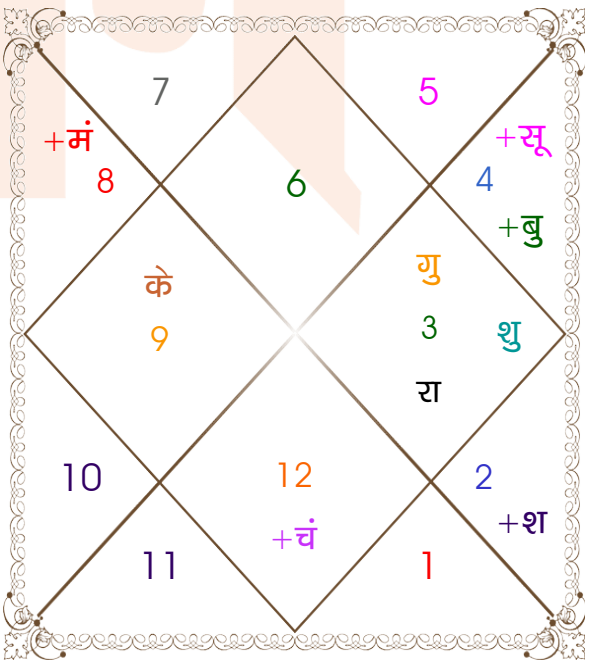

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

कुल : **22 / 36**

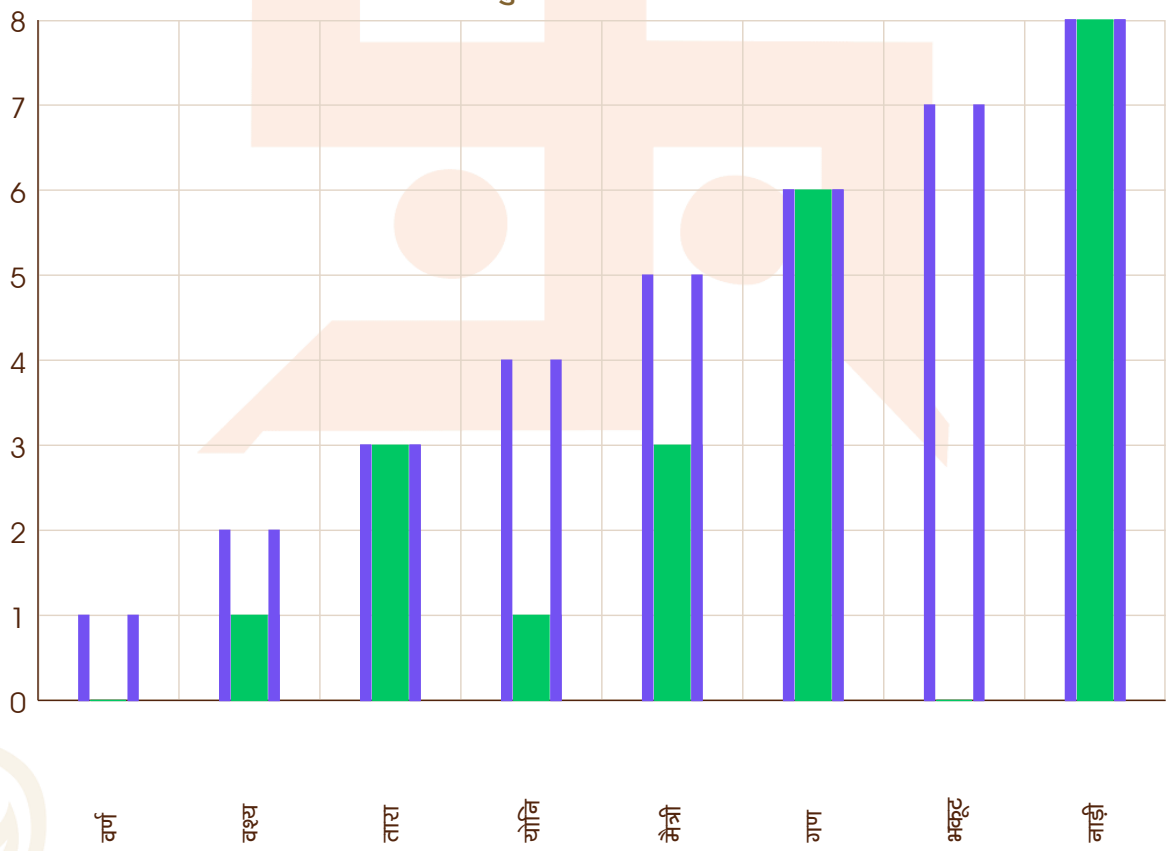

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण शूद्र है तथा Ms. का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms. का वर्ण Mr. के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms. हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Mr. के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Mr. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Mr. एवं Ms. दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Mr. Ms. पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Mr. हमेश Ms. के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Mr. की तारा अतिमित्र तथा Ms. की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Mr. हमेशा Ms. के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Mr. की योनि सिंह है तथा Ms. की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr. का गण मनुष्य तथा Ms. का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. से Ms. की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms. से Mr. की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Mr. गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms. समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Mr. शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी आद्य है तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms. की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। जल एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन भी प्रतिकूल रहेगा अतः यह मिलान विशेष उपयुक्त नहीं होगा।

Mr. की जन्मराशि का स्वामी शनि तथा Ms. की जन्मराशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर समराशियों में स्थित है। अतःइसके प्रभाव से आपस में प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव विद्यमान होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा। अतः दूसरे के सहयोग से जीवन में सुखभोगने में समर्थ होंगे।

Mr. और Ms. की राशियां द्वितीय एवं द्वादश भाव में स्थित है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों मे न्यूनता आएगी तथा आपस में विवाद मतभेद तथा विरोध के भाव में वृद्धि होगी जिससे संबंधों में काफी तनाव तथा कटुता उत्पन होगी। अतः Mr. और Ms. को सामंजस्य तथा बुद्धिमता से कार्य करना चाहिए।

Mr. का वश्य मानव तथा Mr. का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण दोनों की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताओं में भिन्नता रहेगी। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों में तनाव रहेगा।

Mr. का वश्य शूद्र तथा Ms. का वश्य ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में विषमता रहेगी। Mr. की प्रवृति ईमानदारी से कार्य करने को होगी जबकि Ms. की रूचि शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में रहेगी। अतः यदा कदा परस्पर तनाव तथा असमानता का भाव रहेगा।

धन

Ms. की तारा सम्पत तथा Mr. की तारा अतिमित्र है। इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। Ms. धनवान एवं भाग्यवान होंगी तथा Ms. के सौभाग्य से Mr. की आर्थिक स्थिति नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेगी। Mr. और Ms. दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में स्थित है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Mr. और Ms. समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms. की प्रवृति अत्यधिक व्ययशील होगी तथा भौतिक साधनों

में वह काफी व्यय करेंगी लेकिन उनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा समस्त सुखों का उपभोग करते हुए इनका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Mr. की नाड़ी आद्य तथा Ms. की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही Mr. और Ms. के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms. के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr. की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr. सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr. ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr. के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।